बुध ग्रह के लिए मंत्र

निम्नलिखित बुध ग्रह के मंत्रों में से किसी भी एक मंत्र का जप श्रद्धा और विश्वास से किसी शुभ मुहूर्त या शुक्लपक्षीय बुधवार के दिन के समय से आरम्भ करना चाहिये। बुध ग्रह के मंत्र का जप अपने सामर्थ्यानुसार, माला से, उत्तर दिशा की ओर मुख करके करें। यदि सम्भव हो तो घी का दीपक जलाकर प्रतिदिन या बुधवार और रविवार को अवश्य करना चाहिये। बुध ग्रह के मंत्र जप के पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए बुध ग्रह के वैदिक मंत्र या पौराणिक मंत्र का जप करना या करवाना चाहिये, और अंत में दशमांश संख्या का हवन भी अपामार्ग (चिचिड़ा) या आम की समिधा से करना चाहिये।

वैदिक मंत्र

ऊँ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टा पूर्ते स ग्वं सृजेथामयं च।

अस्मिन्त्सधस्थेऽध्युत्तर स्मिन्विश्वेदेवा यजमानश्य सीदत।।

पौराणिक मंत्र

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।

सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

ध्यान मंत्र

पीतमाल्याम्बरधरः कर्णिकारसमद्युतिः।

खड्गचर्मगदापाणिः सिंहस्थो वरदो बुधः।।

बुध गायत्री मंत्र

ऊँ चन्द्रपुत्राय विद्‌महे

रोहिणी प्रियाय धीमहि।

तन्नोः बुधः प्रचोदयात्‌।।

बीज मंत्र

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।

तांत्रोक्त मंत्र

ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

ऊँ स्त्रीं स्त्रीं बुधाय नमः।

सामान्य मंत्र

ऊँ बुं बुधाय नमः।

श्री गोविन्द शरणं ममः।

उपरोक्त किन्हीं एक या अधिक मंत्रों का जप श्रद्धा और विश्वास से दिन के समय करना चाहिये।